

प्रतिष्ठा, उपयोग अथवा प्रभाव की दृष्टि से अन्य वस्तुओं से अधिक आवश्यक वस्तु।

महनीय वि. (तत्.) 1. महिमावाला, महिमायुक्त 2. माननीय, पूज्य, सम्मान्य।

महफिल स्त्री. (अर.) व्यक्तियों की ऐसी सभा जिसमें शेरशायरी, नाच गाना अथवा कथा गोष्ठी हो रही हो, मजलिस, संगोष्ठी।

महफूज वि. (अर.) आक्रमण/अतिक्रमण से सुरक्षित, सुरक्षित, ऐसी स्थिति में जहाँ कोई हानि न हो सके।

महबूब पुं. (अर.) पुरुष और स्त्री के मधुर प्रेम संबंधों का पुरुष पात्र, प्रेमी, प्रियतम, आध्यात्मिक अथवा रूहानी संदर्भ में परमात्मा।

महबूबा स्त्री. (अर.) पुरुष और स्त्री के मधुर प्रेम संबंधों की स्त्री पात्र, प्रेमिका, प्रियतमा, सूफी परम्परा में परमात्मा।

महमह क्रि.वि. (देश.) महकते हुए, सुगंध के साथ, खुशबू फैलाते हुए।

महर पुं. (देश.) ग्राम का मुखिया, ब्रज क्षेत्र में गृहस्वामी के लिए आदरसूचक शब्द, फारसी शब्द 'मीर' अर्थात् प्रधान के समीप का शब्द (फा.) इस्लामी विवाह आयोजन में वधु को दी जाने वाली तय रकम, जो शादी के टूटने पर वर उसको देता है, निकाह के पूर्व ही इस रकम का निर्णय लिखित रूप में किया जाता है।

महरय पुं. (अर.) मुसलमानों में किसी कन्या या स्त्री के लिए उसका निकटस्थ संबंधी जिसके साथ उसका विवाह न हो सकता हो जैसे पिता, चाचा, नाना, भाई, मामा आदि 2. भेद जानने वाला।

महरा पुं. 1. मुख्य या प्रधान व्यक्ति 2. पानी भरने वाला या पालकी ढोने वाला कहार।

महराड़ पुं. (देश.) महाराज का एक प्रचलित रूप।

महराई स्त्री. (देश.) प्रधानता, श्रेष्ठता।

महराब पुं. (देश.) 1. मेहराब 2. द्वार, खिडकी के ऊपर अर्धगोलाकार भाग 3. तोरण।

महरी स्त्री. (देश.) 1. बर्तन मांजने वाली स्त्री, कहारी, कहारिन 2. एक चिड़िया जो 'दही-दही' की आवाज लगती है, ग्वालिन पक्षी।

महरूम वि. (अर.) 1. जो कुछ पाने से रह गया हो, वंचित।

महर्लोक पुं. (तत्.) पृथ्वी के ऊपर के छह लोकों में से चौथा लोक, महःनामक लोक।

महर्षि पुं. (तत्.) 1. ऋषियों में श्रेष्ठ, महान ऋषि 2. एक समवर्णिक छंद, जिसके प्रत्येक चरण में दो जगण और यगण (जजय) के योग से 9 वर्ण होते हैं।

महर्षिसत्तम पुं. (तत्.) महर्षियों में श्रेष्ठ।

महल पुं. (अर.) बड़ा और उत्तम भवन, प्रासाद।

महलसरा पुं. (अर.) अंतःपुर, जनानखाना।

महला पुं. (अर.) शहर का कोई भाग, हिस्सा जिसमें बहुत से मकान हों।

महल्ला पुं. (अर.) शहर का कोई विभाग या टुकड़ा जिसमें बहुत से मकान हों।

महसिल पुं. (अर.) महसूल आदि वसूल करने वाला, उगाहने वाला।

महसूल पुं. (अर.) 1. माल भेजने या मँगाने में लगने वाला किराया, भाड़ा 2. किसी वस्तु पर लगने वाला किसी प्रकार का कर, टैक्स।

महसूस वि. (अर.) जिसका एहसास हुआ हो, ज्ञानेंद्रियों द्वारा अनुभव किया हुआ, अनुभूत।

महा पुं. (तत्.) 1. महत् शब्द का समास युक्त पद के आरंभ में आने पर होने वाला रूप 2. बहुत अधिक, अत्यंत 3. महान 4. महत्वपूर्ण विशेष. महा शब्द से युक्त होने पर (आदिप्रत्यय) 'ब्राह्मण', 'पात्र', 'प्रस्थान' आदि कुछ शब्दों का अर्थ कुत्सित हो जाता है, अर्थापकर्ष हो जाता है।

महाकल्प पुं. (तत्.) भारतीय कालगणना में प्रजापति ब्रह्मा का जीवन काल, ब्रह्मा का 100 वर्ष का जीवन काल माना जाता है, ब्रह्मा का एक दिन